

नांदगांव टाइम्स

रविवार, 06 अप्रैल 2025, राजनांदगांव

आरएनआई 30910/76

वर्ष 49, अंक 168, पृष्ठ 04, मूल्य 3 रुपये



॥ जय श्री जलाराम ॥
श्री जलाराम प्रॉपर्टी डीलर
उचित दर पर मकान, प्लॉट, इलेक्ट्रिक, दुकान, ऑफिस, गोदाम, जमीन, प्लॉट की खरीदी-बिक्री हेतु संपर्क करें।
ऑफिस - बान्नी बस्टी के बाजू में, रामदेव मार्ग, राजनांदगांव।
मो: 98274-61508, 83192-88559

मां दत्तेश्वरी से आशीर्वाद लेकर आया हूं, अगले चैत्र नवरात्र तक लाल आतंक समाप्त हो जाए : अमित शाह



रायपुर। बस्तर की समृद्ध जनजाति संस्कृति से देश-दुनिया को परिचित करने के लिए आयोजित बस्तर पंडुम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिना लागू-लपेट के सीधे नक्सलवाद पर प्रहार किया, उन्होंने कहा कि आज मैं मां दत्तेश्वरी से आशीर्वाद लेकर आया हूं कि अगले चैत्र नवरात्र तक यहां से लाल आतंक समाप्त हो जाए, और हमारा बस्तर खुशहाल हो। आयोजन में बड़ी संख्या में जुटे आदिवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस साल बस्तर पंडुम बस्तर के उत्सव के रूप में मनाया गया है। लेकिन मैं मोदी जी का संदेश लेकर आया हूं, अगले साल बस्तर पंडुम डूब यही नाम के साथ देश के हर आदिवासी जिले से फलफूलों की हथेलियां आएंगी, यही नहीं हम बस्तर पंडुम को अंतरराष्ट्रीय दर्जा देने के लिए

दुनियाभर के राजदूत जो राजधानी में हैं, उनके बस्तर में लाकर हमारी परंपराओं को, संस्कृति को और आदिवासी बच्चों की कला को पूरे विश्व में पहुंचाने का काम बस्तर को संस्कार करेगा, अमित शाह ने कहा कि 12 मार्च से लेकर आज तक बिना प्रारम्भ और संस्कृति विभागा ने पांच करोड़ का आवंटन किया है, जो सबसे पहला इतना बड़ा संस्कृतिक आयोजन है, स्थानीय कला और संस्कृति, पारंपरिक लोककलाएं, हस्तक, तीज-त्योहार, खान-पान, बोली-भाषा, रीति-रिवाज, वैद्यक, अभूषण, वाद्य यंत्र, पारंपरिक गीत-संगीत, त्यंजन, पेय पदार्थ डू इन सभी को मूल रूप में संबोधित और संरक्षित करने का काम यह पंडुम करेगा, गृह मंत्री ने कहा कि इस चाहते हैं कि हमारे बस्तर का युवा सचरे आधुनिक शिक्षा प्राप्त करे, विश्व के युवाओं के साथ हर मंच पर टो-टो हाथ करे, दुनियाभर की समृद्धि प्राप्त करे, परंतु अपनी संस्कृति को कभी न भूले, अपनी भाषा को कभी न भूले, अपनी परंपराओं को कभी न भूले, यह बस्तर की संस्कृति, बस्तर की बोली, यहां के गान, यहां के वाद्य, पेय पदार्थ, भोजन, यह केवल छद्मसमृद्ध के लिए महत्वपूर्ण नहीं है, यह भारत की संस्कृति का गाना है, इसको हमें संजो कर रखना है, उन्होंने



बस्तर पंडुम : गृह मंत्री अमित शाह ने भरी हुंकार

कहा कि इस बार बस्तर पंडुम 7 श्रेणियों में मनाया गया है, अगले बार 12 श्रेणियों में मनाएंगी, और दोषधर के आदिवासियों यहां पर आएंगे, आयोजन में शामिल सभी लोगों को बधाई देना चाहता हूं, प्रदेश के पहले आदिवासी मुख्यमंत्री के तौर पर विष्णु देव साग को मंच पर आमंत्रित करते हुए कहा कि गैरपूजा अब 5500 रुपये पर अब सीधे सरकार खरीदेगी, कोई दलाल के पास आपको नहीं जाना पड़ेगा, जो लाल आतंक फैलाने वाली के हर से वो से लोटे, विष्णु देव साग आपके बैंक अकाउंट में खतरे का काम करेगा, गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों से मुख्य धारा में जुड़ने का आह्वान किया, उन्होंने कहा कि आप हमारे अपने हैं, कोई भी नक्सली युवा जात है, तो किसी को अन्दर नहीं होता है, लेकिन इस देश को विकास चाहिए, जो पंचम साल में विकास नहीं हुआ वह हमारे प्रधानमंत्री नंद मोदी इन पांच साल में इस बस्तर को सबकुछ देना चाहते हैं, लेकिन यह सभी हो सकता है, जब बस्तर के अंदर शांति हो, बच्चे स्कूल जाएं, माताओं की स्वास्थ्य की चिंता हो, आदिवासी युवा कृषिोपण से पीड़ित न हो, पहाड़-लिखाई से पीड़ित न हो, लहसील में छेटी से अस्पताल हो, जिला केंद्र में



हर रोग का इलाज हो, और हर घर में सात फिटो चावल मुन्न में पहुंचे, अमित शाह ने कहा कि बस्तर में सभी शांति आ सकती है, जो सभी हो सकता है, जब बस्तर के लोग तय करें कि हर गांव को नक्सल मुक्त कराएं, विष्णु देव और विजय शर्मा ने घोषणा किया है, जो गांव हर नक्सली को सेंड कर जाएगा, उस गांव को नक्सल मुक्त घोषित कर एक करोड़ रुपये का राशि हो, गृह मंत्री ने कहा कि ये जो बस्तरा करते हैं कि हमारे युवाओं को मारते हैं, किसी को कोई चाना नहीं चाहता, किसी भी काम किए हो हथियार डाल दो, मुख्य धारा में आ जाओ, आपका पूरा संरक्षण भारत सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार करेगी, लेकिन अब आज हथियार उतकार, पूरे बस्तर को बैन कर आदिवासियों का विकास नहीं रोक सकते,

एसबीआई फाउंडेशन एवं शिखर मंच के सहयोग से नि: शुल्क स्वास्थ्य शिविर



राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। शिखर मंच के द्वारा विकासखंड डोंगरगढ़ के 20 गांव में मोबाइल मैडिकल यूनिट का संचालन किया जा रहा है मित्र के द्वारा स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से गांव में बांछित समुदाय एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को निःशुल्क का जनरल स्वास्थ्य सेवा प्रदान किया जा रहा है जिसमें आयुष्मान भारत के लक्ष्य को पूरा करने तथा गांव में बीमारियों के उपचार एवं रोकथाम किया जाएगा एवं गांव के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का भी संचालन किया जा रहा है इसी तारतम्य में ग्राम मुखरा कला

के सहयोग से स्वास्थ्य विभाग से मिलकर भर्ती का स्वास्थ्य सेवा प्रदान किया गया जिसमें पोएचसी प्रभारी डॉक्टर दानेश सिन्हा एवं सभी पोएचसी स्टाफ एवं सपरिच ओमनी गावत्री टेम्बुकर एवं पंचायत के सभी पदाधिकारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा। एसबीआई संजीवनी से श्री योगेश चौहान जिला समन्वय, डॉक्टर ईश्वर लाल यादव, लैब टेक्नीशियन आशीष साहू, फर्मासिस्ट सुचकांत नेताम, टोपिका जोशी स्टाफ नर्स, निखिल सहारा पायलट ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया एवं उनके समर्थन और मेहनत से शिविर को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

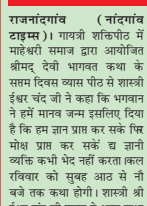


गायत्री विद्या मंदिर कंचनबाग में समर कैम्प आज



राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। शिक्षा और संस्कार में अग्रणी शिक्षण संस्था गायत्री विद्या मंदिर में सोमवार 07-04-2025 से 23-04-2025 तक समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य प्रतिभा को तरफार है। समर कैम्प निःशुल्क है, जिसमें अन्य स्कूलों के बच्चे भी सम्मिलित हो सकते हैं। शाला के शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा विभिन्न विषयों की सिखाया जायेगा। पहली से आठवीं कक्षा के बच्चों के लिए योग, बैटिक मंत्र, आर्ट एण्ड क्राफ्ट, डांस रंग गवा है। कक्षा 9वीं से 12वीं कक्षा के बच्चों के लिए स्पोर्ट्स इंग्लिश को कवार्ड, एग्रेसिव लाई। विज्ञान समर सुबह 9 से 10 बजे रहेगा। शाला के प्राधान्य सुश्री सीमा श्रीवास्तव ने बच्चों से शरीर संरक्षण में चैच कर समर कैम्प का लाभ उठाने की अपील की है।

ज्ञानी व्यक्ति भेद नहीं करता- शास्त्री श्री ईश्वर चंद जी त्यास



राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। गायत्री शक्तिपीठ में माहेश्वरी समाज द्वारा आयोजित श्रीदत्त देवी भगवत कथा के सप्तम दिवस वीरस वीरस से शास्त्री ईश्वर चंद जी ने कहा कि भगवान ने हमें मानव जन्म इसलिए दिया है कि हम जान प्राप्त कर सकें कि मोक्ष प्राप्त कर सकें च ज्ञानी व्यक्ति कभी भेद नहीं करता कल रविवार को सुबह आठ से नौ बजे तक कथा होगी। शास्त्री श्री ईश्वर चंद जी व्यास ने आज कथा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि मां गायत्री का कहती है कि मैं भक्ति युक्त जान से मिलती हूं। कर्म से धर्म प्राप्त होता है और धर्म से भक्ति प्राप्त होता है। भक्ति से ही जान प्राप्त होता है। जान प्राप्त होने से हमारा मार्ग मोक्ष की ओर प्रसरत होता है। हर व्यक्ति को वेदों का अग्रसर करना चाहिए। शास्त्री जी ने कहा कि मां



जानेंवा कहती है कि भक्तपूर्ण भक्ति से ही मैं प्रसन्न होती हूं, जोड़कर अन्य देश स्त्री ध्यान भक्ति, भक्त पूर्ण होती चाहिए। तभी माता प्रसन्न होगी। शास्त्री जी ने कहा कि मां

शक्ति की पूजा की जाती है। प्रकृति अर्थात् सर्वोत्कृष्ट देव। उन्होंने कहा कि प्रथम सृष्टि के रूप में जिसकी उत्पत्ति हुई है वह है प्रकृति। मां सावित्री, मां गायत्री की पूजा से आयु शुद्धि होती है इसलिए मां गायत्री की उपासना करनी चाहिए। बाल बच्चे वाले परिवार को षष्ठी पूजा साल में एक बार अवश्य करनी चाहिए। माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष पवन डाना ने बताया कि कथा के अंतिम दिवस रविवार छह अंश को शास्त्री श्री ईश्वर चंद जी व्यास द्वारा सुबह आठ से नौ बजे तक कथा सुनाई जाएगी तथा पौर्णमासी दस बजे पारंपरिक माहेश्वरी भजन रामायणी मार्ग में होगी तथा दोपहर 12:30 से गायत्री शक्तिपीठ में महाप्रसादी होगी।

कर्म-धर्म का फल स्वर्ग - सुश्री धामेश्वरी देवी



राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। जगद्गुरु श्री कृष्ण जी महाशय की प्रमुख प्रकाशिका सुश्री धामेश्वरी देवी जी द्वारा स्टेट हॉट स्कूल मीन राजनांदगांव में चल रही 15 दिवसीय आध्यात्मिक प्रवचन शृंखला के 12वें दिवस देवी जी ने वेद और शास्त्रों के प्रत्येक प्राणी केवल आनंद ही चाहता

करना होगा। संसार में सुख नहीं है और यदि कोई दिखाई पड़ता है तो वह अनिय एवं सीमित है जबकि वास्तविक आनंद असंमित, निरूप एवं प्रसिध्द बढ़ता जाता है। वेदों में तीन मार्ग बताए गए हैं - कर्म, ज्ञान, एवं भक्ति। इसके अलावा और मार्ग दिखाई पड़ते हैं, वे इन तीनों में से किसी के अंतर्गत ही हैं। कर्म मार्ग का विरलेक्षण करते हुए देवी जी ने बताया कि वेदों में कर्मकांड का वर्णन मिलता है। पूजा पाठ, यज्ञादि लेकिन वेदों में कर्मकांड को घोर निंदा की है। कारण बताया कि कर्म धर्म के ठीक-ठाक पालन से अधिक से अधिक कर्मों को प्राप्त होती है और स्वर्ग, क्षणभंगुर व मादक है और पुण्य प्राप्त होने पर जीव को 84 लाख बंधन की प्राप्ति होती है अर्थात् कर्म धर्म से भावव्यग्रप्ति नहीं होती, न ही माया निवृत्ति होती है। वैसे भी कलधर्म में कर्म धर्म का ठीक-ठाक



पालन करना असंभव सा है क्योंकि यज्ञ में कहे - कहे नियम हैं जैसे यह का सही स्वभाव, सही समय, सही तरीके से कर्मया धन, वेद मंत्रों का ठीक-ठाक उच्चारण आदि यदि इसमें त्रुटि हुई तो यजनका का नशा हो जाता है यदि कोई वेदों के नियम अनुसार ठीक ठीक पालन कर भी ले तो भी अधिक से अधिक स्वर्ग मिलेगा, वह भी नभर है यदि किसी कर्म धर्म के पालन से प्रभु में प्रेम नहीं बढ़ता तो

रेलवे महाप्रबंधक ने किया डोंगरगढ़ स्टेशन का निरीक्षण



डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक रतन प्रकाश ने 05 अप्रैल को डोंगरगढ़ स्टेशन का निरीक्षण कर अमृत भारत योजना के तहत चल रहे अधीनस्थाना विकास, रेल परियोजनाओं, सहित संचालन और संरक्षा की व्यापक जांचका लिया। निरीक्षण के अवसर पर दीपक कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान रतन प्रकाश ने

डोंगरगढ़ स्टेशन में अमृत भारत योजना के तहत जारी विभिन्न रेल विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्टेशन पर यात्री सुविधाओं की स्थिति का भी आकलन किया और सेले के दौरान मंडल द्वारा किए गए सभी व्यवस्थाओं का जांचका लिया तथा बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं उपलब्ध सभी सुविधाओं, रनिंग कम, लांबी आदि का निरीक्षण किया। इस प्रकार ने 05 अप्रैल को डोंगरगढ़ से दुर्ग खंड का बिंदो देखिए निरीक्षण के किताब तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। महाप्रबंधक द्वारा इस निरीक्षण से निश्चित हो स्टेशनों में चल रहे रेल विकास कार्यों में प्रगति के साथ रेल परियोजना को और अधिक प्रगती बनाने व यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने में मदद मिलेगी।

